Str. 527, 43. = मैथुनानिलायसन्ति।, Schol. — 44. Calc. Ausg. und B. म्रध्युठा, D. म्रब्यूठा, die Scholien wie wir.

Str. 528, 48. Calc. Ausg. und E. धर्षिणो, B. वर्षणो, die Scholien wie wir, eine Randglosse: वर्षणो धर्षणो वेति मन्ध्याः। — Calc. Ausg. und E. म्रवनीता।

Str. 529, 50. Die Scholien: मदनेन मदेन वा श्लिष्टा या प्रियमिभिस-रत्यिभसार्यित वा सा म्रभि॰। यहरतः।

> व्हिंबा लज्जाभये झिष्टा मदनेन मदेन वा । ग्रिमिसार्यते कान्तं सा भवेदिभिसारिका ॥

Str. 530, 53. Die Scholien: तीवत्पल्यपि। — 54. Calc. Ausg. und E. विस्वस्ता, die Scholien wie wir. — 55. Die Scholien: म्रवीरापि। — 56. Calc. Ausg. तीवताका, die Scholien: तीवताका।

Str. 531, 57. Calc. Ausg. नन्द्र:, die Scholien wie wir. — 59. Calc. Ausg. कात्यायिनी।

Str. 532, 60. Die Scholien : श्रमणापि ।

Str. 533, 66. Calc. Ausg. म्रयाचुन्ही । Die Scholien: चुडु व्हावक-रूपो । चुडुति चुन्ही पृषोद्शादिलात् देश्या ज्यमित्यन्ये ।

Str. 534, 68. Calc. Ausg. D. E. कोरवी। Die Scholien: नियका-पि। कोरेन लड़्जावशात्कुरिलवेन वेति याति कारवी। क्राचिरिति उ:। कुरतीति वा। कीर्वभैरवेति निपात्यते।

Str. 535, 71. Calc. Ausg. und E. म्रवि st. म्रिंघ, die Scholien: माला म्रिति भूमावित्यिधः। तृभूभमोति इर्धादेशम् । न धीयते मनो प्रमा-मिति वा। — Calc. Ausg. B. E. म्रवी ohne Visarga, die Scholien: म्रव्यते र्वोभ्यो प्वी तृष्णृतंद्री (1. वी:। म्रवितृस्तृतिव्यभ्य und vgl. « Die Unddi-Affixe » III. 156.) इति ई।